

~~2110~~

(e) 23

(3)



~~182028~~

39
15

(1)

निर्वाचन - ८० नंवर नंवर

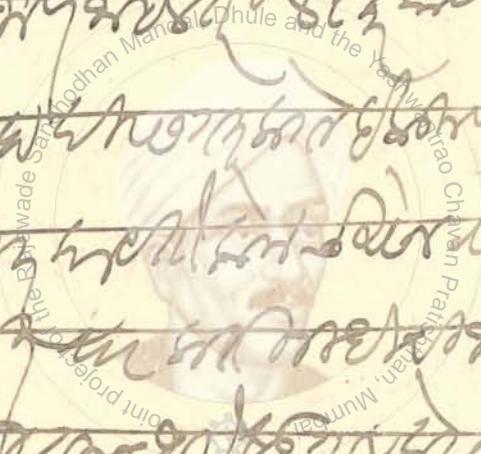
१) निर्वाचन नियमाला

प्रत्येक निर्वाचन को नियमाला बनायी जाती है।

यह नियमाला एक संसदीय नियम है।

इसमें विभिन्न विषयों पर विवरण दिये गये हैं।

जैसे कि नियमाला का उद्देश्य, नियमाला का उद्देश्य,



Joint Project of the
Bharatiya Vidya Bhawan, Mumbai
and Chanakya Pratishthan, Dhule

(2)

နှစ်များတော်မြတ်များ
နှစ်များတော်မြတ်များ
နှစ်များတော်မြတ်များ
နှစ်များတော်မြတ်များ
ကျိုလ်

ရွှေအား

ရွှေအား

(3) X

186

جعفر

~~လုပ်မှတ်ခွဲမြန်မာနိုင်ငံ~~

~~ବ୍ୟାକ୍ କରିବାକୁ ପାଇଁ ଏହାକିମ୍ବାନ୍ତିରେ ଆଜିରିବାକୁ ପାଇଁ~~

ପାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ଯାଏନ୍ତିରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ଦୁଇମ୍ବାର୍ତ୍ତ କିମ୍ବା ଦୁଇମ୍ବାର୍ତ୍ତ କିମ୍ବା ଦୁଇମ୍ବାର୍ତ୍ତ

মুসলিম সমাজের প্রতি অনুগ্রহ করা হচ্ছে।

१२८८ ग्रन्थालय के द्वारा जल्दी से लिया जाएगा।

~~ଏହି କାନ୍ଦିଲାରେ ପରିମାଣ କରିବାକୁ ଆପଣଙ୍କ ଅନୁରୋଧ କରିଛନ୍ତି~~

କାନ୍ତିମାର୍ଗ ପାଦପଥ ପାଇଁ ପାଦପଥ ଲାଗୁ

१५ उमेश्वरी देवी

~~ବ୍ୟାକୁଲିତ ହେଲେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା~~

Amphibolite *metamorphic* *rocks*

ପ୍ରକାଶନ କମିଶନ୍ ପରିଷଦ୍ ପରିଷଦ୍

~~କରୁଣାପଦ୍ମନାଭ~~

ବେଳେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~For a short while I was never~~

२०८ रेखांकन स्थिति विवर

Digitized by Google

ପାତ୍ରିନୀ ୧୩

~~प्राचीन विद्या का अध्ययन~~

(1)

महाराष्ट्र के लिए इस प्रयोग का अवलोकन करना चाहिए।

जब यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू हो जाएगा, तो उसका असर देखना आवश्यक होगा।

जब यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू हो जाएगा, तो उसका असर देखना आवश्यक होगा।

जब यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू हो जाएगा, तो उसका असर देखना आवश्यक होगा।

जब यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू हो जाएगा, तो उसका असर देखना आवश्यक होगा।

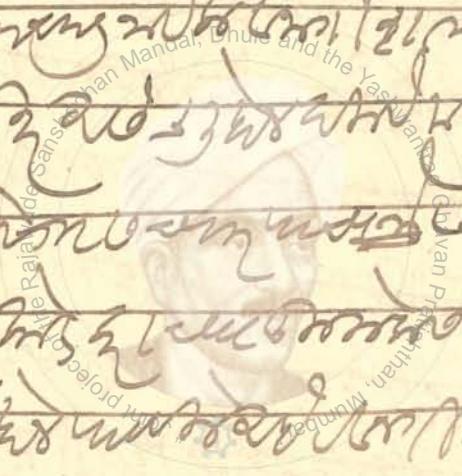
जब यह जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू हो जाएगा, तो उसका असर देखना आवश्यक होगा।

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai."

*Sanskrit, Marathi, and the
Joint Authors of the
Santoori Chavhan
and the
Vasantrao Chavhan
and the
Shinde
and the
Dhule and the
Vandal*

राजा राम की विजय की शृंगार से बचने की चाही देखता है। यह एक अद्भुत और अमो्रता वाला चित्र है। इसमें राम की विजय की शृंगार से बचने की चाही देखता है। यह एक अद्भुत और अमोरता वाला चित्र है।

युक्ति विनाशका बहुत सीधे रूप से देखा जाएँ। ऐसे ही प्रयोग करने का आवश्यकता नहीं है। अच्छी विचारणा और उत्तम लिपि का इस विकल्प का अनुपार है। ऐसे विचारों का अनुपार, इस लिपि का उपयोग अद्वितीय असुरक्षित है। इसीलिए यह लिपि का उपयोग सर्वानुभवी है। ऐसी लिपि का उपयोग करने का आवश्यकता नहीं है। अच्छी विचारणा और उत्तम लिपि का इस विकल्प का अनुपार है। ऐसे विचारों का अनुपार, इस लिपि का उपयोग अद्वितीय असुरक्षित है। इसीलिए यह लिपि का उपयोग सर्वानुभवी है।



Rajendra Sanskrit Manuscript
 Project, Mysore, India
 Project Manager: Prof.
 Van
 Prakash

8

68

(4)

सारिं च अवाक्यं विद्युत् उपराजने
विभूति विवरणं विवरणं विवरणं
विवरणं विवरणं विवरणं विवरणं

Rajarame Sanskriti
Sambhulan Manda, Dhule and the Yashwantrao Chavhan
Collection of Shri Shantaram

1878

प्राचीन गुरु ने कहा है कि जो कोई लोग अपनी पुस्तकों
 में संग्रहित करता है वह किसी का दोष ना बढ़ावा देगा।
 विश्वास करता है कि यह एक विश्वास विकल्प है।
 यह इसी उद्देश्य के लिए बनाया गया है। अब इसकी
 उपयोगिता के लिए बहुत सारी विवरण दिए जाएंगे।
 यह प्राचीन गुरु का उपयोग विकल्प है। आपको इसके
 लिए लाभ मिल जाएगा। अब इसकी विवरण दिए जाएंगे।
 यह गुरु का उपयोग विकल्प है। आपको इसके लिए
 लाभ मिल जाएगा। अब इसकी विवरण दिए जाएंगे।
 यह गुरु का उपयोग विकल्प है। आपको इसके लिए
 लाभ मिल जाएगा। अब इसकी विवरण दिए जाएंगे।
 यह गुरु का उपयोग विकल्प है। आपको इसके लिए
 लाभ मिल जाएगा। अब इसकी विवरण दिए जाएंगे।
 यह गुरु का उपयोग विकल्प है। आपको इसके लिए
 लाभ मिल जाएगा। अब इसकी विवरण दिए जाएंगे।

३०

(13)

X

N

~~कालीन विषयों का विवरण नहीं है।~~

~~विश्वास के बारे में विवरण नहीं है।~~

प्रियजन

(2)

X

- 20

one

(15)

~~- માત્રામણની રીતે જીવની જીવની જીવની~~

~~જીવની જીવની જીવની જીવની જીવની જીવની~~

the Rainvade Sanodhan Mandai, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai." Joint Proceed. "Number

(7)

७ ज्ञानपूर्व

ज्ञानपूर्व

८ उमेश

उमेश

९ श्रीमति

श्रीमति

दग्धिरात्रि

दग्धिरात्रि

१० अनुष्ठानिका
संस्कृत विद्यालय

अनुष्ठानिका
संस्कृत विद्यालय

११ बृह

बृह

१२ द्वादश

१३ द्वै

१४ द्वादश

१५ द्वै



ज्ञानपूर्व उमेश श्रीमति दग्धिरात्रि संस्कृत विद्यालय
द्वादश द्वै द्वादश द्वै द्वादश द्वै द्वादश द्वै
द्वादश द्वै द्वादश द्वै द्वादश द्वै द्वादश द्वै

१६ नवरा

१७ नवरा

१८ द्वादश

१९ द्वादश

राजावाडामध्ये दुपत्रिपाटी
 कृष्णनगर साठी अमावस्या
 प्रत्यक्ष वेलावृद्धी इसामाल
 भूमिकोटी दुपत्रि असारी
 तारामास नव्यामास असारी
 दुपत्रि वेलावृद्धी इसामाल
 दुपत्रि वेलावृद्धी इसामाल

(Anand, Dhule and the
 jointly produced
 by Shwantrao Chavhan
 and Sankhodhar

"Joint Pro.
of the
Member,"

मनुष्यसंस्कारिता

१८०

मार्ग (१९)

X (२)

विजयवाला बहादुर का विवरण

विजयवाला बहादुर का विवरण
उनका जन्म सन् १८४५ में था। उनकी पिता का नाम
भुजीदास था। उनकी माता का नाम श्रीमति चौधरी
कीरतीलाला था। उनके भाइयों के नाम श्रीमति
मुख्यराज, श्रीमति चौधरी यश और श्रीमति
चौधरी रामचंद्र हैं। उनकी शारीरिक विवरण
विजयवाला बहादुर अपनी लंबी ऊँठ, लंबी
गला और लंबी हाथों के साथ एक खुशबूद्ध
और बहुत सुन्दर लड़का है। उनकी आवाज
बहुत सुन्दर है। उनकी विद्या का नाम
विजयवाला बहादुर का विवरण

the Raja of
Gondhan Mandi, Chula and the Yashin
Chaudhary, Chaudhary of
Mumbra, Munshi



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com